मानव संग्रहालय के मुक्ताकाश प्रदर्शनी में दिख रही पुरानी तकनीकें

पारंपरिक तकनीक की भूमिका है खास- प्रो कैलासा

भोपाल. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय द्वारा शुक्रवार को संग्रहालय स्थित पारंपरिक तकनीकी मुक्ताकाश प्रदर्शनी में आंध्रप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड के लोक एवं जनजातीय पारंपरिक कलाकारों द्वारा पारंपरिक तकनीकी ज्ञान का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन भोपाल स्थित स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर के निदेशक प्रोफेसर कैलासा राव एम ने आंध्रप्रदेश के सुन्नापुबत्ती (चूना बनाने की भट्टी), छत्तीसगढ़ की तिरही (तेल निकालने का उपकरण) एवं झारखंड राज्य की मेढ़हट्ट कुठ्ठी (लोहा गलाने की भट्टी) के पारंपरिक तकनीकी के देशज उपकरण से प्राप्त की जा रही सामग्री का अवलोकन किया और चूना बनाने की चक्की भी चलाई तथा सभी उपकरणों की तकनीक को पारंपरिक कलाकारों से संवाद करके समझा।